



वर्ष 2024 में OTT का दृश्य

प्रलम्ब के लिये:

वर्ष 2024 में OTT का दृश्य/आउटलुक, [ओवर-द-टॉप \(OTT\) मार्केट](#), सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दशानरिदेश और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नयिम 2021

मेन्स के लिये:

वर्ष 2024 में OTT का आउटलुक ।

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

भारत में OTT मार्केट वर्तमान में मूल्य-संवेदनशील बाज़ार में **विकास और लाभप्रदता के मध्य** दुवधि से जूझ रहा है। वर्ष 2023 में, भारत में [ओवर-द-टॉप \(OTT\) मार्केट](#) ने महत्त्वपूर्ण व्यवधानों और चुनौतियों का अनुभव किया, जिससे इसके विकास में असंतुलन हुआ है।

ओवर-द-टॉप क्या है?

परिचय:

- OTT का मतलब “ओवर-द-टॉप (Over-The-Top)” है, यह शब्द पारंपरिक प्रसारण, केबल या सैटेलाइट टी.वी. प्लेटफॉर्मों को दरकिनार करते हुए दर्शकों को सीधे इंटरनेट पर **सामग्री वितरण का वर्णन करने के लिये** उपयोग किया जाता है।
- OTT बाज़ार उस **उद्योग** को संदर्भित करता है जो इंटरनेट के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को **स्ट्रीमिंग मीडिया सेवाएँ**, फ़िल्में, टी.वी. शो, संगीत और अन्य सामग्री प्रदान करता है।
- उदाहरण:** नेटफ़्लिक्स (Netflix), डिज़नी प्लस (Disney+), हुलु (Hulu), अमेज़ॅन प्राइम वीडियो (Amazon Prime Video), पीकॉक (Peacock), क्यूरीयसिटी-स्ट्रीम (CuriosityStream), प्लूटो टी.वी. (Pluto TV) और अन्य।

OTT के लाभ:

- फ्लेक्सीबिलिटी और सुविधा:**
 - उपयोगकर्ता वशिष्ट सुविधा प्राप्त करते हुए, कभी भी, कहीं भी, कई उपकरणों पर सामग्री को एक्सेस कर सकते हैं।
 - विविध सामग्री:**
 - OTT प्लेटफॉर्म विभिन्न पसंद और रुचियों को पूरा करने वाली फ़िल्मों, टी.वी. शो, वृत्तचित्र तथा मूल प्रस्तुतियों सहित सामग्री की एक वसिस्त शृंखला पेश करते हैं।
- वैयक्तिकरण:**
 - ये प्लेटफॉर्म देखने की आदतों, उपयोगकर्ता अनुभव और सामग्री खोज को बढ़ाने के आधार पर सामग्री की अनुशंसा करने के लिये एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं।
- लागत प्रभावशीलता:**
 - पारंपरिक केबल अथवा सैटेलाइट टी.वी. सब्सक्रिप्शन की तुलना में OTT सेवाएँ अमूमन अधिक कफ़ायती मूल्य निर्धारण विकल्प प्रदान करती हैं, जिसमें वज़िापन विकल्प अथवा सब्सक्रिप्शन प्राप्त करने के साथ मुफ़्त कॉन्टेंट/सामग्री की सुविधा प्रदान की जाती है।
- वैश्विक पहुँच:**
 - OTT प्लेटफॉर्म भौगोलिक बाधाओं का समाधान कर विश्व भर में उपयोगकर्ताओं को उनके मन चाहे स्थान पर सामग्री पहुँचाने में सहायता प्रदान करता है।

OTT की सीमाएँ:

- इंटरनेट पर निर्भरता:**
 - OTT में निर्बाध स्ट्रीमिंग के लिये हाई-स्पीड इंटरनेट महत्त्वपूर्ण है। खराब कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में सामग्री तक पहुँच में बाधा का सामना करना पद सकता है।

- **सामग्री की विविधता:**
 - वभिन्न प्लेटफॉर्मों पर सामग्री संबंधी विशेषाधिकारों के परिणामस्वरूप दर्शकों की संख्या प्रभावित होती है जिससे विशेष शो अथवा फिलिमों तक पहुँचने के लिये उपयोगकर्ताओं को एकाधिक सब्सक्रिप्शन की आवश्यकता हो सकती है।
- **डेटा संबंधी चिंताएँ:**
 - OTT प्लेटफॉर्म सामग्री को उपयोगकर्ता के उपयुक्त बनाने के लिये उनका डेटा एकत्र करते हैं जिनका उपयोग अनुचित तरीके से किया जा सकता है अथवा उपयोगकर्ता सहमत कि बना तीसरे पक्ष के साथ डेटा साझा किया जा सकता है जिससे गोपनीयता संबंधी चिंताएँ बढ़ जाती हैं।
- **सामग्री की गुणवत्ता तथा उपलब्धता:**
 - हालाँकि सामग्री की उपलब्धता अत्यधिक है कति सामग्री की गुणवत्ता भिन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त सामग्री की व्यापक उपलब्धता उपयोगकर्ताओं के लिये गुणवत्तापूर्ण सामग्री की खोज को अत्यधिक कठिन बना सकती है।

वर्ष 2023 में OTT की स्थिति तथा वर्ष 2024 हेतु इसका परिदृश्य क्या है?

- वर्ष 2023 में OTT परिदृश्य में नशिल्क प्रीमियम सामग्री की प्रस्तुत करने वाले प्लेटफॉर्म अन्य की तुलना में अत्यधिक प्रभावित हुए तथा नशिल्क प्रस्तुत करने के परिणामस्वरूप अंततः उन्हें सब्सक्रिप्शन से प्राप्त आय में घाटे का सामना करना पड़ा।
- सामग्री संबंधी मुद्दीकरण की चुनौतियाँ बनी रही तथा उच्च सामग्री लागत के कारण कोई भी लाभ-अलाभ (break-even) की स्थिति में नहीं था।
- फ्रीमियम मॉडल की प्रस्तुत हुई जिससे पासवर्ड साझा करने तथा वजिआपनों को एकीकृत करने पर अंकुश लगा। वनियामक चिंताएँ बनी रही कति सेंसरशिप को समर्थन नहीं दिया गया जिससे चयनात्मक डेटा साझाकरण को बढ़ावा मिला।
- वर्ष 2024 के परिदृश्य में प्रयोगात्मक सामग्री में गतिवृद्धि के साथ लागत-प्रभावशील सामग्री रणनीतियों की अपेक्षा है। Zee/Sony जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म के बीच वलिय तथा RIL/Disney जैसे संभावित सहयोग बाज़ार की गतिशीलता को पुनर्गठित कर सकते हैं, जिससे सौदेबाज़ी की शक्ति एवं सामग्री लागत प्रभावित हो सकती है।
- मूल्य-निरधारण रणनीतियाँ वजिआपनों को साझा करने और एम्बेड करने पर संभावित तीव्र सीमाओं को विकसित करना जारी रखेंगी।
- धार्मिक या अल्पसंख्यक भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता पर बल देते हुए नियामक अनुपालन सख्त हो सकता है। दर्शकों के रुझान में पारदर्शिता बढ़ने से वजिआपनदाताओं और रचनाकारों को मदद मिलेगी।

ओटीटी प्लेटफॉर्मों को वनियमित करने वाले कानून क्या हैं?

- ओटीटी प्लेटफॉर्मों को वनियमित करने के लिये, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (Ministry of Electronics and Information Technology-MeitY) ने वर्ष 2022 में सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021 जारी किया।
- ओटीटी प्लेटफॉर्मों के लिये दिशानिर्देश एक सॉफ्ट-टच स्व-नियामक वास्तुकला स्थापित करते हैं, जिसमें आचार संहिता और तीन स्तरीय शिकायत नविवरण प्रक्रिया शामिल है।
 - प्रत्येक प्रकाशक को 15 दिनों में शिकायतें प्राप्त करने और उनका नविवरण करने के लिये भारत में स्थिति एक शिकायत अधिकारी नियुक्त करना चाहिये।
 - इसके अलावा, प्रत्येक प्रकाशक को एक स्व-नियामक समूह में शामिल होना होगा। ऐसे संगठन को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत होना होगा तथा 15 दिनों के अंदर प्रकाशन द्वारा हल नहीं किये गए मुद्दों का समाधान करना होगा।
 - सूचना प्रसारण मंत्रालय और मंत्रालय द्वारा गठित अंतर-वर्गीय समिति तृतीय-स्तरीय निरीक्षण तंत्र का गठन करती है।
- वे केंद्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड की भागीदारी के बिना सामग्री के स्व-वर्गीकरण की सुविधा प्रदान करते हैं।

ओटीटी के बेहतर नियमन के लिये क्या किया जा सकता है?

- **स्व-नियमन ढाँचा:**
 - पारंपरिक मीडिया के समान पारदर्शी सामग्री दिशानिर्देश और रेटिंग सिस्टम स्थापित करने के लिये ओटीटी प्लेटफॉर्मों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।
 - उद्योग-आधारित स्व-नियमन रचनात्मकता को प्रभावित किये बिना चिंताओं को दूर कर सकता है।
- **सहयोगात्मक निरीक्षण निकाय:**
 - उद्योग विशेषज्ञों, हतिधारकों और सरकारी प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए स्वतंत्र निकाय बनाना अनिवार्य है। ये निकाय सामग्री की नगिरानी कर सकते हैं, शिकायतों की समीक्षा कर सकते हैं तथा उद्योग मानक निर्धारित कर सकते हैं।
- **स्पष्ट सामग्री वर्गीकरण और रेटिंग:**
 - उपयोगकर्ताओं को आयु-उपयुक्तता और सामग्री विषयों के आधार पर सूचित देखने के विकल्प चुनने में मदद करने के लिये मानकीकृत सामग्री वर्गीकरण प्रणालियों को लागू करने की आवश्यकता है।
- **डेटा शेयरिंग में पारदर्शिता:**
 - OTT प्लेटफॉर्मों को दर्शकों के रुझान को चुनदा रूप से निरीक्षण निकायों के साथ साझा करने, सामग्री मूल्यांकन में सहायता करने और दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिये प्रोत्साहित कीजिये।

- नयिमति ऑडिट और अनुपालन जाँच:

- यह सुनिश्चित करने के लिये समय-समय पर ऑडिट करने की आवश्यकता है कि प्लेटफॉर्म स्थापित दिशा-निर्देशों का पालन करें, जवाबदेही और ज़िम्मेदार सामग्री क्यूरेशन को बढ़ावा दें।

नष्कर्ष

- OTT ने लचीलापन, विकल्प और सुविधा प्रदान करके लोगों के मनोरंजन के तरीके को बदल दिया है।
- तकनीकी प्रगति, बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं और मीडिया तथा मनोरंजन के गतिशील परदृश्य के कारण बाज़ार का विकास जारी है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/outlook-of-ott-in-2024>

